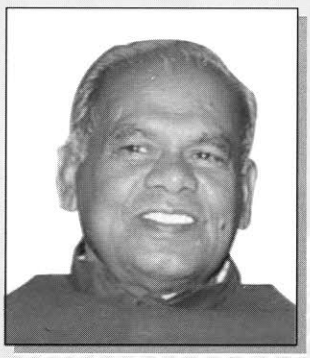

जीतन राम मांझी
मुख्यमंत्री
बिहार

बिहार सरकार

पटना

संदेश

भौगोलिक एवं प्राकृतिक स्थितियों के कारण बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है । प्रत्येक वर्ष राज्य प्राकृतिक एवं गैर प्राकृतिक आपदा का दंश झेलती है । मानवक्षति, पशुक्षति, गृहक्षति एवं फसलक्षति एवं विभिन्न आधारभूत संरचनाओं के क्षति का आर्थिक बोझ प्रभावित परिवारों पर पड़ता है । आपदा प्रबंधन विभाग जनसामान्य को आपदा की घड़ी मे समुचित साहाय्य/अनुदान उपलब्ध कराने तथा पुनर्वास एवं पुर्ननिर्माण के लिए कटिबद्ध है ।

राज्य आपदा रिस्पांस कोष से बाढ़, सुखाड़, ओलावृष्टि, अग्निकांड, वज्रपात जैसे प्राकृतिक आपदाओं में साहाय्य अनुदान देय है । इसके अतिरिक्त मुख्य मंत्री राहत कोष से भी सहायता उपलब्ध कराई जाती है । आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रशिक्षण/जनजागरण, क्षमता संवर्द्धन पर विशेष बल दिया जा रहा है ।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन 2013-14 में विभाग के बहुआयामी आपदा प्रबंधन कार्यकलापों एवं उनके कार्य योजनाओं को समावेश किया जा रहा है । उत्तराखंड मे आयी त्रासदी मे आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बचाव एवं राहत कार्य तथा मृतकों के परिवारों को अनुग्रह अनुदान के भुगतान का कार्य किया जा रहा है । वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए विभाग का योजना उदव्यय 4947.27 लाख है ।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह प्रतिवेदन आपदा प्रबंधन के भी सह-भागियों को विभाग के कार्यों का मूल्यांकन का समूचित अवसर प्रदान करेगा एवं भविष्य में आने वाले प्राकृतिक आपदाओं के समय कुशल प्रबंधन द्वारा कम-से-कम क्षति हो, यह सुनिश्चित कराने मे सक्षम होगा ।

शुभकामनाओं सहित ।

(जीतन राम मांझी)